

अद्यैव वामरणमस्तु युगांतरे वा
न्यास्यात्पथः प्रविचलन्ति पदं धीराः

ओ३म्

सरस्वतीन्द्र जीवन ।

अर्थात्

महर्षि श्री १०८ स्वामी

दयानन्द सरस्वती जी

का

जीवन-चरित्र

लेखक वा प्रकाशक

नारायणीशिक्षा-पुराणतत्त्व-
प्रकाशादि ६० पुस्तकों के
रचयिता

चिमनलाल वैश्य ।

तृतीयवार] १९२१ [मूल्य
११००] ११]

* यतो धर्मस्ततो जयः *

बद्रीप्रसाद शुक्ल ने देशबन्धु प्रेस बाराबक्की में छापा ।